BHILAI MAHILA MAHAVIDYALAYA

Hospital Sector, Bhilai (C.G.)

A Girls College with a difference

Managed by Bhilai Education Trust

Affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg (C.G.) & under UGC-12B, 2f Act

Accredited 'B' by NAAC

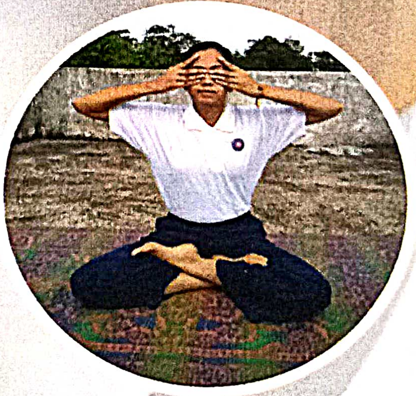

Admission Brochure 2021-22

Tel. : 0788 2242699, 2242078, Email : bmahila@rediffmail.com, Website : www.bmmbhilai.com

Vision

To be acknowledged as a pro-active institution which strives hard to fulfil the aspirations of students, help them in developing sound knowledge base, correct skills, attitudes and understanding, to enable them to sail confidently through complexities and challenges of life.

Goals of Our Education

- *To enable our students to develop their full intellectual potential through a focussed academic experience that is simultaneously rich, extensive and collaborative*
- *To offer the students' scope for critical thinking and discernment, leading to the development of value based convictions.*
- *To help the students develop a degree of self reliance and determination,to respond with courage and sensitivity to personal and social issues.*
- *To generate among students an awareness of women's issues, human rights and environmental issues, so that they understand and respond constructively to these.*
- *In the context of globalization, to foster in students a sense of national identity that is secular and multi-cultural with respect and tolerance of all cultures and religions for humanity at large.*

The Objective of the College has always been commitment to women, as such education is perceived to be the means of both personal and social transformation and provides upliftment that helps in the all round growth of students.

From the Principal's Desk...

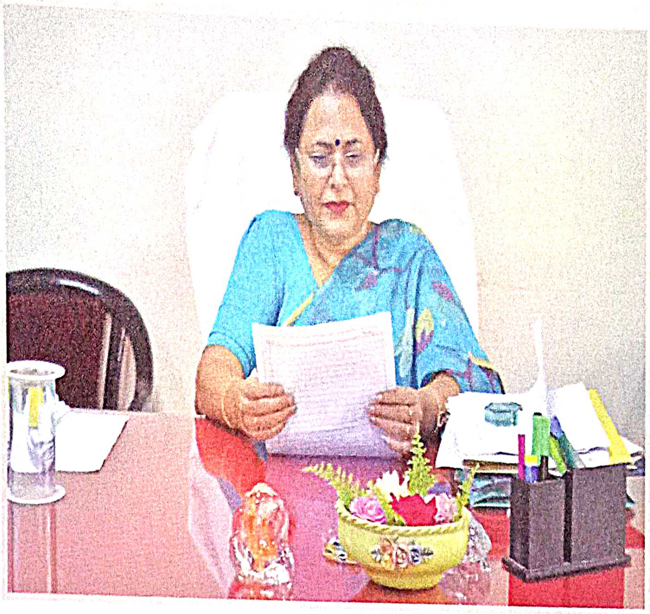

Change in the present day society is the biggest necessity. Change has always brought revolution from the beginning of evolution of life on earth. Knowledge of the natural world has empowered us to meet human needs and protect the planet.

Development of any society depends upon the nature of its education system and the education system depends on its planners, administrators, educationists and teachers.

Our country India is a country of eager mindsets, eager and enthusiastic to acquire the requisite skills befitting the changing environment.

The new generation will have to learn to acquire, assimilate and to apply the new knowledge for a sustainable future and this is where comes the role of a teacher. We as teachers also realise that the initiative for learning lies with the students. Teachers can only make conditions suitable so that our students can learn.

The destiny of India is now being shaped in the classrooms with four strong H's. The Head, the Heart, the Hand and the Highways of information. For a sound personality we need strong hands, a vibrant heart and a hungry head for collecting knowledge from the huge highways of information.

As we move towards a learning society, human activity will require contribution from the teacher and the taught. Qualitative measures need to be taken to upgrade education and research programs. In order to create a learning society we have to think globally and act locally.

Wishing you all a wonderful and exciting year ahead. Pray, the pandemic be totally under control soon and the classes go offline so that you can fully enjoy college life by being in the campus and the campus once again buzzes with the presence of girls and physical activity.

Dr. Sandhya Madan Mohan
Principal
Bhilai Mahila Mahavidyalaya

भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई नगर (छ.ग.)

(भिलाई एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित)

व्यक्ति के व्यक्तित्व उन्नयन का मार्ग प्रशस्त करने वाला प्रमुख सोपान शिक्षा है। यह शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है जो जीवन में समायोजन एवं सामंजस्य की क्षमता उत्पन्न करती है। ''सा विधा या विमुक्तये'' अर्थात सच्ची शिक्षा सभी प्रकार के बंधनों को दूर कर सकती है। आर्थिक प्रगति द्वारा यह राष्ट्र उन्नयन का मार्ग प्रशस्त करती है।

नारी समाज, परिवार, राष्ट्र की धुरी है। यही नारी यदि शिक्षित है तो वह शिक्षित, जागरूक, भावी पीढ़ी का निर्माण करती है उसमें अच्छे संस्कारो का बीजारोपण करती है। सजग कर्तव्य-परायण नागरिक ही सुदृढ राष्ट्र के वाहक होते है।

भिलाई महिला महाविद्यालय ने नारियों की इसी भूमिका का सम्मान करते हुए लडकियों की उच्च शिक्षा में अपनी महती भूमिका का निर्वाह किया है। यह महाविद्यालय नित्य-प्रति नए मानदंडो की रचना में सतत् गतिमान है। यह महाविद्यालय अपनी अकादमिक एवं इतर उपलब्धियों के लिए प्रख्यात है। शिक्षाधानी के रूप में प्रसिद्ध इस्पात नगरी भिलाई की बेटियों को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने की दिशा में महाविद्यालय सतत् प्रयत्नशील है स्वयं सिद्धा छात्राएं महाविद्यालय के गौरव -शिखर को दिनोंदिन उन्नत कर रहीं हैं।

भिलाई महिला महाविद्यालय शिक्षा के माध्यम से नारी उत्थान के समस्त पहलुओं को प्रोत्साहित करने वाला तथा अध्ययन विषयों में अकादमिक विशेषज्ञता स्थापित करने वाला विशिष्ट शिक्षण संस्थान है । भिलाई एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा 1979 से संचालित इस महाविद्यालय को इस्पात नगरी भिलाई के प्रथम महिला महाविद्यालय के रूप में जाना जाता है । ट्रस्ट के सदस्य एवं अधिकारी भिलाई के जागरूक अभिभावक, संयंत्र के उच्चाधिकारी, समाजसेवी, उद्योगपति एवं प्रबुद्ध वर्ग हैं । उत्कृष्ट अधोसरंचना से युक्त महाविद्यालय स्नातक स्तर पर विज्ञान एवं गृह विज्ञान दो संकायो से 120 छात्राओं के सहित प्रारंभ किया गया था । किन्तु आज 1821 छात्र संख्या एवं विभिन्न संकायों, विषयों से सम्पन्न यह महाविद्यालय न केवल स्थानीय छात्राओं को वरन् राज्य एवं राज्येत्तर छात्राओं को भी शिक्षा प्रदान करने में संलग्न है । पारंपरिक विषयों के अतिरिक्त रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम में निष्णात करने हेतु महाविद्यालय अग्रसर है । हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों माध्यमों में अध्यापन महाविद्यालय की विशेषता है । महाविद्यालय के प्राध्यापक उच्च उपाधियुक्त होने के साथ-साथ परिवर्तित आधुनिक पाठ्यक्रम की विशेषज्ञता हेतु रिफ्रेशर कोर्स, ओरियण्टेशन, सेमीनार, वर्कशाप आदि में अपनी सहभागिता द्वारा अपने को नव्यज्ञान से संपन्न करते हैं ।

महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से नियमित अनुदान प्राप्त होता है तथा यह संस्थान हेमचंद यादव दुर्ग विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त है। यह महाविद्यालय न केवल पाठ्यक्रमोचित गतिविधियों में वरन क्रीड़ा, साहित्यिक, सांस्कृतिक क्षेत्र मे भी प्रदेश में अग्रणी है । इन क्षेत्रों में महाविद्यालय की छात्रायें राष्ट्रीय - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी हैं । मूल्य आधारित शिक्षा आज की आवश्यकता है और भिलाई महिला महाविद्यालय इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु निरत है ।

हमारी शिक्षा का उद्देश्य

1. महाविद्यालय की छात्राओं को बौद्धिक एवं तार्किक शक्ति संपन्न बनाना ।
2. छात्राओं में मूल्य आधारित नेतृत्व क्षमता का विकास ।
3. सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के प्रति संवेदनशील जागरूकता ।
4. लिंग भेद, मानवाधिकार, पर्यावरण आदि ज्वलंत विषयों के प्रति जागृति एवं सक्रियता ।
5. छात्राओं में धर्मनिरपेक्षता, सांस्कृतिक विविधता जैसे प्रकरणों पर समझ एवं सम्मान विकसित करना ।

छात्रावास

महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाविद्यालय से कम से कम 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित स्थानों से आयी छात्राओं के लिए 200 सीटों से युक्त छात्रावास सुविधा उपलब्ध है । आवास एवं भोजन सुविधा के अतिरिक्त यहाँ रहने वाली छात्राओं को देश की इन्द्रधनुषी संस्कृति से जोड़ते हुए विभिन्न पर्वो त्योहारों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन छात्रावास में किया जाता है ।

सत्र प्रारंभ

कोविड–19 की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए शासन एवं विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार सत्र प्रारम्भ किया जायेगा । विगत छह वर्षों से महाविद्यालय की स्नातकोत्तर कक्षाओं में सेमेस्टर प्रणाली प्रचलित है ।

पाठ्यक्रम

भिलाई महिला महाविद्यालय आज पाठ्यक्रमों की विविधता का पर्याय बन चुका है । विज्ञान गृहविज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के पारंपरिक विषयों (बी.एस.सी. बायोलॉजी, गणित, गृहविज्ञान एवं एम.एस.सी. गृह विज्ञान मानव विकास, टेक्सटाइल एवं क्लोथिंग, वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र, रसायन शास्त्र, भौतिक, गणित एवं एम.काम) के अतिरिक्त बी.एस.सी. एवं एम.एस.सी. कम्प्यूटर, माइक्रो बायोलॉजी, बायो टेक्नोलॉजी, बी.सी.ए., बी.एड., ई.कामर्स एवं पी.जी.डी.सी.ए.जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम के अध्यापन की व्यवस्था भी है । उपाधि पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अल्प अवधि प्रमाण पत्र वाले टेली, कम्युनिकेटिव इंगलिश–हिन्दी, बेकरी CMA & CFP एवं कॉन्फेक्शनरी जैसे कई डिप्लोमा पाठ्यक्रम महाविद्यालय में समय – समय पर संचालित किए जाते है सत्र 2021 से महाविद्यालय में बी.ए.(कला संकाय) की कक्षाएं हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान एवं अर्थशास्त्र के साथ प्रारंभ किया गया है ।

पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय लगभग 33,380 पुस्तकों एवं 30 पत्र पत्रिकाओं से समृद्ध है । निर्धन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिये बुक बैंक योजना है । महाविद्यालय का पुस्तकालय इंटरनेट, मल्टीसीट (10 सीटों से युक्त) कम्प्यूटर सिस्टम एवं N-LIST एवं e-Lib की सुविधा से युक्त है, इसके अन्तर्गत 6000 ई जर्नल्स 1,64,300 ई–बुक्स एवं N-LIST के अंतर्गत 6,00000 ई–बुक्स के अध्ययन की सुविधा हैं ।

पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियाँ

शिक्षा के द्वारा व्यक्तित्व के पूर्ण विकास को दृष्टिगत रखते हुए यहाँ अध्ययन –अध्यापन के अतिरिक्त साहित्यिक, सांस्कृतिक, कीड़ा, राष्ट्रीय सेवा योजना जैसी गतिविधियाँ की जाती है ।

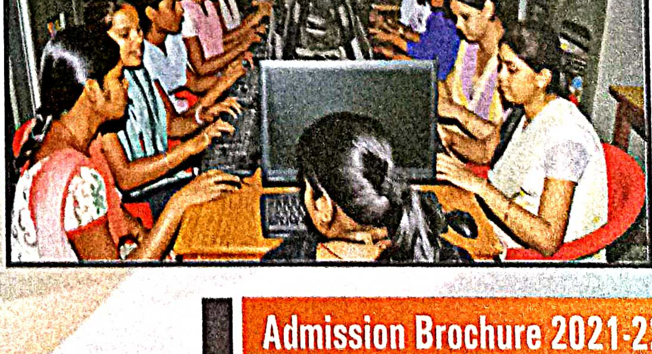

राष्ट्रीय सेवा योजना

महाविद्यालय में रा.से.यो. की दो इकाईयाँ कार्यरत हैं जिनके द्वारा छात्रायें स्वविकास एवं लोक कल्याणकारी कार्यों से जुड़ी हुई हैं।

शिक्षक अभिभावक संघ

शासन के निर्देशानुसार सत्र 2003–04 में शिक्षक-पालक संघ बनाया गया। इस संघ द्वारा शिक्षको अभिभावको के सुझाव एवं मतों का ध्यान रखते हुए महाविद्यालय के उन्नयन की दिशा में कार्य किया जाता है।

क्रीड़ा

एक स्वस्थ मस्तिष्क को स्वस्थ शरीर की आवश्यकता होती है। छात्राओं को मानसिक एवं शारीरिक रुप से स्वस्थ रखने के लिए महाविद्यालय में बैडमिंटन, खो–खो, बॉलीबाल, साफ्टबाल, बास्केटबॉल, कबड्डी, टेबल टेनिस, शतरंज, हॉकी, क्रिकेट, फुटबॉल, नेटबॉल, बॉल बैडमिंटन, क्रास कण्ट्री आदि खेलों की व्यवस्था है।

प्रकोष्ठ एवं समितियाँ

विद्यार्थियों को उनके निश्चित उद्देश्य की प्राप्ति में सहायता देने के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय में विभिन्न समितियाँ एवं प्रकोष्ठ जैसे–रैंगिग विरोधी एवं अनुशासन प्रकोष्ठ, ग्रीवान्स (शिकायत) प्रकोष्ठ, जनसंपर्क एवं प्रचार प्रकोष्ठ, एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी, कमजोर वर्ग प्रकोष्ठ, रोजगार नियोजन प्रकोष्ठ, छात्र सहायता प्रकोष्ठ, भूतपूर्व छात्र(जानकारी) प्रकोष्ठ अपने–अपने निश्चित क्षेत्रों में सक्रिय है। छात्राओं के लाभ हेतु महाविद्यालय के कैरियर गाईडेंस एवं पर्सनालिटी डेवलपमेंट प्रकोष्ठ व्दारा समय–समय पर विद्वान वक्ताओं द्वारा विभिन्न व्याख्यान एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। महाविद्यालय का प्लेसमेंट सेल छात्राओं को साक्षात्कार एवं चयन हेतु विभिन्न संस्थानों में भेजता रहा है ।

प्रयोगशालायें

महाविघालय में रसायन, भौतिकी, जन्तुविज्ञान, वनस्पति शास्त्र, गृहविज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, माइक्रोबायोलॉजी एवं बायोटेक्नॉलाजी आदि की प्रयोगशालायें समृद्ध एवं आवश्यक उपकरणों से पूर्णतः सुसज्जित हैं।

कम्प्यूटर केन्द्र

महाविद्यालय में 105 कम्प्यूटर्स की व्यवस्था है । महाविद्यालय के विभिन्न विभागों में कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध है। विविध साफ्टवेयर, इंटरनेट एवं 2 मल्टीसीट (10 सीट युक्त) एवं 2 सेट थिंक लाइन की सुविधा भी महाविद्यालय में विद्यमान है।

महाविद्यालय का ध्येय

सम्पूर्ण मानवता के प्रति सम्मान एवं आदरभाव से युक्त समाजोत्थान एवं मानव उन्नयन हेतु कृत संकल्पित........

1. जाति,वर्ग सम्प्रदाय से निरपेक्ष सभी छात्राओं को उच्च शिक्षा का लाभ प्रदान करना।
2. नव्यतम ज्ञान से संपन्न करते हुए कमजोर छात्राओं का उत्थान एवं सशक्तिकरण।
3. छात्राओं में आवश्यक शिक्षण कौशल व्दारा आत्मविश्वास संपन्नता, जिससे जीवन की जटिलताओं एवं चुनौतियों का सामना किया जा सकें।
4. छात्राओं में समर्पण, लगन एवं उत्कृष्टता की भावना जागृत करना।
5. सुदृढ़ एवं अविचलित चरित्र से युक्त सक्षम नागरिकों का निर्माण।

प्रवेश संबंधी निर्देश

1. राजपत्रित अधिकारी अथवा प्राचार्य द्वारा प्रमाणित पूर्व परीक्षाओं की अंकसूची की एक प्रतिलिपि ।
2. जिस संस्था से परीक्षा पास की है, उसके प्राचार्य द्वारा प्रदत्त सदाचार प्रमाण पत्र, अथवा स्वाध्यायी छात्राओं को राजपत्रित अधिकारी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा ।
3. प्रवेश पूर्व परीक्षाफल घोषित होने के तुरन्त बाद प्रारंभ कर दिये जाएंगे ।
4. स्थानीय छात्राएँ प्रवेश विश्व विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार आनलाइन/ऑफ लाइन जमा करें ।
5. छात्राओं को प्रवेश की सूचना व्यक्तिगत रूप से नहीं दी जायेगी । प्रवेश प्राप्त छात्राओं के नाम सूचना फलक पर लगा दिये जायेंगे ।
6. कोई भी छात्रा आवेदन के साथ या मनीऑर्डर से कोई राशि न भेजे । महाविद्यालय में प्रवेश प्रदान किये जाने के बाद ही शुल्क स्वीकार किया जाएगा ।
7. यदि प्रथम प्रवेश सूची में स्थान प्राप्त छात्राओं ने प्रवेश नहीं लिया तो प्रतीक्षा सूची की छात्राओं को प्राथमिकता दी जायेगी ।

प्रवेश लेने के समय निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे-

1. जिस संस्था से अंतिम शिक्षण प्राप्त किया है, उसके द्वारा प्रदत्त स्थानान्तरण प्रमाण पत्र (टी.सी.)
2. पूर्व परीक्षा की मूल अंक सूची
3. सदाचार प्रमाण पत्र
4. दो पासपोर्ट साइज फोटो
5. प्रवजन प्रमाण पत्र (शिक्षा मंडल रायपुर अथवा दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग को छोड़कर अन्य बोर्ड विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्राओं द्वारा ।
6. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / पिछड़ी जाति की स्थिति में प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि ।
7. पात्रता प्रमाण – पत्र (यदि आवेदिका ने माध्यमिक शिक्षा मंडल छ.ग., केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या पं.र.शु.वि. रायपुर के अलावा अन्य बोर्ड /विश्वविद्यालय से परीक्षा उत्तीर्ण की हो तो)
8. गेप प्रमाण पत्र (यदि एक या उससे अधिक सत्र का अन्तराल हो तो)
9. खेल, साहित्य, सांस्कृतिक, एन.सी.सी., एन.एस.एस. का प्रमाण पत्र (यदि हो)
10. रैगिंग के विरूद्ध वचन पत्र भरना अनिवार्य है ।
11. छात्रावास सुविधा हेतु पृथक आवेदन पत्र भरना आवश्यक है ।

प्रवेश के मार्गदर्शक सिद्धांत

1. प्रवेश गुणानुक्रम के आधार पर दिया जावेगा ।
2. महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त शैक्षणिक सुविधायें मुख्यतः स्थानीय निवासियों के लिये है ।
3. महाविद्यालय में प्रवेश एक विशेषाधिकार है, जिसे निष्ठापूर्वक कार्य एवं सदाचार से अर्जित करना चाहिए ।
4. जिन छात्राओं का आचरण अंसतोषजनक रहा है अथवा जिनके प्रवेश से महाविद्यालय में अशांति की आशंका हो, ऐसी छात्राओं को प्रवेश नहीं दिया जावेगा ।
5. जाली प्रमाण पत्रों, गलत जानकारी, जानबूझकर छिपाये गये प्रतिकूल तथ्यों, प्रशासकीय अथवा कार्यालयीन असावधानीवश यदि किसी आवेदक को प्रवेश मिल गया है, तब ऐसे प्रवेश को निरस्त करने का पूर्ण दायित्व प्राचार्य को होगा ।
6. प्रवेश लेकर किसी समुचित कारण, पूर्व अनुमति या सूचना के बिना लगातार एक माह या अधिक समय तक अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थी को प्रवेश निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य को होगा ।

7. प्रवेश के बाद सत्र के दौरान विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय छोड़ देने अथवा उसका प्रवेश निरस्त होने अथवा उसका निष्कासन किये जाने की स्थिति में विद्यार्थी का संरक्षित निधि के अतिरिक्त अन्य कोई शुल्क वापसी नहीं किया जायेगा ।

शुल्क संबंधी अन्य नियम एवं सुविधाएं

1. विशेष परिस्थितियों में यदि छात्रा को अस्थायी प्रवेश दिया जाता है तो छात्रा का यह अपना उत्तरदायित्व होगा कि वह उसे निश्चित अवधि में स्थायी करा ले, ऐसा न करने पर प्रवेश निरस्त हो जायेगा परंतु पूर्ण सत्र का शुल्क देना होगा ।
2. यदि किसी कारणवश छात्रा बीच सत्र में महाविद्यालय छोड़ती है तो उसे पूरे सत्र का शुल्क देय होगा ।
3. दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग में प्रत्येक छात्रा को अनिवार्यतः नामांकन कराना है । किसी भी कारणवश नामांकन कराने में असमर्थ छात्रा को विश्वविद्यालय परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जायेगी, उनके द्वारा प्रदत्त महाविद्यालयीन शुल्क वापस नहीं दिया जाएगा ।
4. छात्रायें शुल्क प्रस्तुत करने के प्रमाण स्वरूप सभी रसीदें सम्भाल कर रखें ।

विभिन्न छात्रवृत्तियाँ एवं शुल्क छूट

1. महाविद्यालय द्वारा कीड़ा, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर प्रवेश शुल्क में छूट दी जाएगी ।
2. शासन द्वारा विभिन्न छात्रवृत्तियों का लाभ छात्राओं को दिलाने का प्रयास किया जाता है ।

अन्य ज्ञातव्य नियम

1. निम्नलिखित में से किसी एक या अनेक कारणों से छात्रा को महाविद्यालय से पृथक करने का अधिकार प्राचार्य को है –

अ) कक्षा में संतोषजनक प्रगति न होने पर ।

ब) प्राचार्य के मतानुसार किसी छात्रा का आचरण संतोषप्रद न होने पर ।

2. प्राचार्य को यह भी अधिकार है कि बिना कारण बताये किसी भी छात्रा का प्रवेश निरस्त कर दें और इस विषय में कानूनी कार्यवाही का अधिकार किसी भी व्यक्ति को नहीं होगा ।
3. स्थानांतरण प्रमाण पत्र लेने के पश्चात सुरक्षा निधि की राशि मूल रसीद प्रस्तुत करने पर वापस की जावेगी ।
4. सुरक्षा निधि की वापसी महाविद्यालय छोड़ने के सत्र (31 मार्च वित्तीय वर्ष तक) के अंदर की जाती है । इसके पश्चात प्रत्यर्पण नहीं होगा । सुरक्षा निधि प्राप्त करते समय प्रवेश की मूल रसीद प्रस्तुत करना होगा । तथा परिचय पत्र (Identity Card) जमा करना होगा ।

पुस्तकालय के सामान्य नियम

1. छात्राएं एक बार में पुस्तकालय से 14 दिनों के लिये दो पुस्तकें प्राप्त कर सकती हैं ।
2. इस अवधि के पश्चात पुस्तक न वापस करने वाले को विलम्ब के प्रतिदिन 1.00 रू. प्रति पुस्तक के हिसाब से अर्थदंड देय होगा ।
3. छात्राओं को चाहिए कि पुस्तकें निर्गमित कराते समय पुस्तकों का सावधानी पूर्वक निरीक्षण कर लें और पुस्तक के पृष्ठ कटे या फटे या कोई पृष्ठ न होने पर ग्रंथपाल को तत्काल सूचित कर उनके हस्ताक्षर करवा लें ।
4. पुस्तकालय की पुस्तकों में लिखना, रेखांकित करना, पृष्ठ निकालना या किसी प्रकार की क्षति पहुँचाना दंडनीय है ।
5. छात्राओं को यह सुझाव दिया जाता है कि वे पुस्तकालय के सभी नियमों एवं सूचनाओं से स्वतः अवगत रहें ।
6. छात्राओं से अपेक्षा की जाती है कि पुस्तकालय मे शांति बनाए रखें,अनुशासित एवं मर्यादित रहें ।

छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए आचरण संहिता

सामान्य नियम

छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाली प्रत्येक छात्रा को महाविद्यालय नियमों का अक्षरशः पालन करना होगा । इनका पालन न करने पर वह शासन द्वारा निर्धारित दंडात्मक कार्यवाही की भागीदार होगी ।

1. छात्रायें शालीन वेशभूषा में महाविद्यालय में आयेंगी । किसी भी स्थिति में उसकी वेशभूषा उत्तेजक नहीं होनी चाहिए ।
2. प्रत्येक छात्रा अपना पूर्ण ध्यान अध्ययन में लगायेगी साथ ही महाविद्यालय द्वारा आयोजित पाठ्येत्तर गतिविधियों को भी पूरा सहयोग प्रदान करेगी ।
3. महाविद्यालय परिसर में वह शालीन व्यवहार करेगी, अभद्र व्यवहार, असंसदीय भाषा प्रयोग, गाली गलौच, मारपीट या आग्नेय अस्त्रों का प्रयोग नहीं करेगी ।
4. प्रत्येक छात्रा अपने शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नम्रता एवं भद्रता का व्यवहार करेगी ।
5. महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाये रखना प्रत्येक छात्रा का नैतिक कर्त्तव्य है, वह सरल निर्व्यसन और मितव्ययी जीवन निर्वाह करेगी ।
6. महाविद्यालय तथा छात्रावास की सीमाओं में किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन सर्वथा वर्जित रहेगा ।
7. महाविद्यालय में इधर–उधर थूकना, दीवारों को गंदा करना या गंदी बातें लिखना सख्त मना है । छात्रा असामाजिक तथा अपराधिक गतिविधियों में सलिप्त पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी।
8. वह अपनी मांगों का प्रदर्शन आंदोलन, हिंसा या आतंक फैलाकर नहीं करेगी । छात्रायें अपने आप को दलगत राजनीति से दूर रखेंगी और अपनी मांगों को मनवाने के लिए राजनीतिक दल, कार्यकत्ताओं अथवा समाचार पत्रों का सहारा नहीं लेगी ।

अध्ययन संबंधी नियम

1. प्रत्येक विषय में छात्रा की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी तथा यह एन.सी.सी./ एन.एस.एस. में भी लागू होगी। अन्यथा उसे वार्षिक परीक्षा में बैठने की पात्रता नहीं होगी ।
2. छात्राओं प्रयोगशाला में उपकरणों का उपयोग सावधानी पूर्वक करेंगी । उनको स्वच्छ रखेंगी एवं प्रयोगशाला को साफ सुथरा रखेंगी तथा समय से न लौटाने पर निर्धारित आर्थिक दंड देना होगा।
3. अध्ययन से संबंधित किसी भी कठिनाई के लिए वह गुरुजनों के समक्ष अथवा प्राचार्या के समक्ष शांतिपूर्ण ढंग से अभ्यावेदन प्रस्तुत करेगी ।
4. व्याख्यान कक्षों, प्रयोगशालाओं या वाचनालय में पंखे, लाईट, फर्नीचर, इलेक्ट्रिक फिटिंग आदि की तोड़फोड़ करना दंडात्मक आचरण माना जाएगा ।

परीक्षा संबंधी नियम

1. छात्रा को सत्र के दौरान होने वाली सभी इकाई परीक्षाओं त्रैमासिक तथा अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य है ।
2. अस्वस्थतावश आंतरिक परीक्षाओं में सम्मिलित न होने की स्थिति में छात्रा शासकीय चिकित्सक से मेडिकल सर्टिफिकेट प्रस्तुत करेगी तथा स्वस्थ होने के उपरांत परीक्षा देगी ।
3. परीक्षा में या उसके संबंध में किसी प्रकार के अनुचित लाभ लेने या अनुचित साधनों का प्रयोग करने का प्रयत्न गंभीर दुराचरण माना जायेगा ।

महाविद्यालय प्रशासन का अधिकार क्षेत्र

1. यदि छात्रा किसी अनैतिकता मूलक या गंभीर अपराध में अभियुक्त पायी गयी तो उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा ।
2. यदि छात्रा रैगिंग में लिप्त पायी गई तो छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थानों में प्रताड़ना प्रतिषेध अधिनियम 2001 के अनुसार रैगिंग किये जाने पर अथवा रैगिंग प्रेरित करने पर पांच साल तक कारावास की सजा या पांच हजार रूपये जुर्माना अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है ।
3. यदि छात्रा समय सीमा में शुल्क का भुगतान नहीं करती तो उसका नाम काट दिया जायेगा ।
4. यदि छात्रा किसी भी प्रार्थना पत्र अथवा आवेदन में तथ्यों को छिपायेगी अथवा गलत प्रस्तुत करेगी तो उसका प्रवेश निरस्त कर उसे महाविद्यालय से पृथक कर दिया जायेगा ।
5. महाविद्यालय में प्रवेश लेने हेतु छात्रा द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले आवेदन पत्र में उसके पालक अथवा अभिभावक का घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना अनिवार्य है और यह हस्ताक्षर प्रवेश समिति के सम्मुख करेंगे ।

Bhilai Mahila Mahavidyalaya - *defeating all odds with zeal and determination!*

The spread of pandemic COVID-19 has drastically disrupted every aspect of human life including education. Educational institutions and campuses, around the world are closed to follow protocols and teaching and learning has moved online with all the physical institutional activities coming to a halt.

Despite these challenges the higher education institutions have reacted positively and managed to ensure the continuity of teaching and learning in the new normal by keeping up with modern times with the available tools and techniques.

Bhilai Mahila Mahavidyalaya is also one amongst these leading examples. In the last one year of lockdown, students of this institution have also been using popular social media tools like - Free conference call app, WhatsApp, Zoom calls, Google Meets, YouTube live, and Facebook live etc for not only online teaching and learning but also for conducting practicals and various in-house and inter collegiate competitions and activities.

The pandemic could in no way deter the overall development and enthusiasm of the students, instead, the students brought glory to the institution by bagging various positions and prizes in various activities online.

Not forgetting to mention some of the accomplishments attained by the institution in the last one year, noteworthy of which are:

- Opening of Research Centers in the departments of Chemistry and Home Science.
- Permanent affiliation of 15 subjects with Hemchand Yadav University, Durg.
- Increase in number of seats in subjects like MSc Physics from 10 to 30, in PGDCA from 30 to 60 and in B.Sc, Biotechnology and Microbiology from 30 to 60.
- A total of 12 number of teachers have been selected as Research Guides in their respective subjects by Hemchand Yadav Vishwavidyalaya.
- Permission for starting new courses like B.A. , B.Ed, B.Sc, B.Ed and BBA is awaited.

Here's a peep into the various achievements of the students in different academic and curricular activities organized online.

Dr Sandhya Madan Mohan
PRINCIPAL

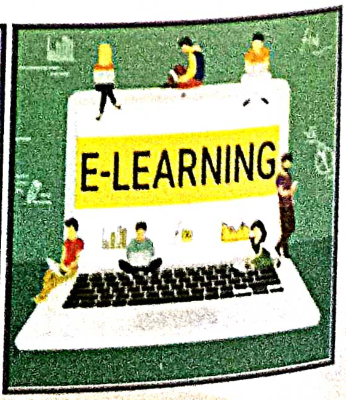

Every where we excel!

Academic Achievements

1. Six students of the Botany Department Ku. Richa Sagne, Ritu Sori, Ambika Thakur, Dr. Mamta Tandon, Preeti Singh Parihar and Bhabita Mandavi were selected for the post of Assistant Professor through C.G.P.S.C. The institution is indeed proud of them.

2. Ku. Yogita of M.Sc. Chemistry qualified the CGSET exam 2019 and also cleared her Ph.D entrance exam.
3. Ku. Himika Gabel of M.Sc.H.Sc. qualified the C.G. State Eligibility Test (SET) as well as NET (National Eligibility Test) held in September 2019 in Home Science.
4. Ku. Priti Sahu of M.Sc. Physics qualified the C.G. State Eligibility Test (SET) held in September 2017.

Scaling Greatest Heights!

Merit List 2019-2020

Kudos to four of our brilliant students who bagged the 1st position in the Merit list of Hemchand Yadav Viswavidyalaya and were the recipients of Gold Medals thus chasing their dreams of scaling the highest peak.

The Principal and the staff congratulate these students on their grand success for adding yet another feather to the intuition's cap.

S.No.	Name	Class	Position
1.	Ku. Kalpana Yadav	M.Sc. (Physics)	1st
2.	Ku Megha Sahu	M.Sc. (Botany)	1st
3.	Ku. Himika Gabel	M.Sc.H.Sc. (Textile & Clothing)	1st
4.	Ku Rohini Rastogi	M.Sc.H.Sc. (Human Development)	1st

Participation Pays

1. Miss Anju of the Botany Department participated in the National level contest on 'Sankalp Taruvar' :Tree Plantation & Collage Making Competition for students organised by the Botany Department of Govt. Arts and Commerce Girls College, Devendra Nagar, Raipur and won the 2nd prize.
2. Anju was also placed on the 1st position in the Intercollegiate Poster Making Competition on the occasion of World Ozone Day organised at Swami Swaroopanand Saraswati Mahavidyalaya, Hudco entitled 'Ozone for Life'.
3. The 1st position in the Video Making Competition on "Environment Conservation" : Green India Clean India was once again bagged by Miss Anju of the Botany Deptt. again organised by Swami Swaroopanand Saraswati Mahavidyalaya to celebrate the festival of Hareli.
4. Ku. Vaishalee of Botany Deptt. secured the 3rd position in the online Poster Contest in the 5th National Ayurveda Day 2020, Ayurveda for COVID 2019 organised by the Deptt. of Microbiology of Swami Swaroopanand Saraswati Mahavidyalaya, Hudco, Bhilai.
5. Ku. Rachna Choudhry of M.Com.-III Sem was placed on the 2nd position in the online photography competition entitled 'Sky & The Earth' organised by Govt. Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College, Durg.
6. Ku. Monica Tiwari of B.Ed.-II Sem was placed on the 2nd position in the National Level Poster Making competition on the theme 'Biodiversity' to celebrate the World Environment Day organised by the Deptt. of Geography of Govt. College, Jhajjar, Haryana.
7. Ku. Lovleen Manikpuri won the consolation prize in the National Level Poster with slogan writing competition on account of 'World Environment Day' on the theme "Ecosystem Restoration" organised by the Deptt. of Education, Bhilai Mahila Mahavidyalaya. She also won the consolation prize in the state level poster making competition organised by the Deptt of Education, B.M.M. to mark the Earth Day on the theme 'Restore the Earth'.
8. Ku. Loveen Manikpuri was also placed on the 1st position in the online slogan competition titled "Catch the Rain Nation's Initiative" organised by Swami Swaroopanand Saraswati Mahavidyalaya, Hudco, Bhilai
9. Ku. Lokita Dewangan of the B.Ed deptt won the second prize in the solo song competition held at Apollo College, Anjora to celebrate Sadbhawana programme.
10. Ku. Monica of B.Ed deptt once again stood 1st and Ku. Mercy Fernandez of B.Sc. Part - III stood Vth in the making of Ganesh Idol and Ganesh Painting competition held by Hem Chand Yadav Vishwavidyalaya, Durg
11. Ku. Nehal Pal from B.Ed deptt. got the consolation prize in the National Level Poster with slogan writing competition organised by the Education Deptt. of B.M.M. on the topic "Eco System Restoration".
12. Miss Nandita Pandey of B.Sc. Part-III Bio-Tech got the 3rd place in the state level Poster making competition organised by the Education Deptt. of B.M.M. to mark the celebration of "Earth Day" on the theme " Restore the Earth".

Ku. Anju

Ku. Vaishalee

Ku. Monica Tiwari

Ku. Loveen Manikpuri

Ku. Nehal Pal

GIVERS AS WINNERS . . .

1. A Best Practice related online competition for colleges affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya was organised by the University in July 2020. Bhilai Mahila Mahavidyalaya bagged the 3rd position in this contest with the dedication and efforts put in by the Principal Dr. Sandhya Madan Mohan.
2. Dr. Mohna Sushant Pandit of Education Deptt. was conferred with the International Women Pride Award 2021 and was presented a certificate in the category of Educationalist, for her excellent work and outstanding contribution in the field of education.
3. Dr. Deepti Chauhan A.P. Botany got the 2nd prize in the National Contest on 'Sankalp Taruvar', Tree plantation and Collage Making competition for teachers organized by the Botany Deptt. of Govt Arts & Commerce College, Devendra Nagar, Raipur C.G.
4. Our sports officer Miss Sonali Sao participated in the 42nd Senior National Softball Championship (Women) held at Bharatpur Rajasthan and secured the 3rd position.
5. Mrs. Vibha Tarmakar an office staff, was placed on the 1st position in an essay competition organised by Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, entitled 'Water Conservation'.

. . . AND ACHIEVERS

Dr. Pratiksha Pandey, HOD Botany was the key note speaker at a National Webinar on 'Sustainable Development and Environment Protection Technology' organised by the School of Science ISBM University Gariaband C.G. She was also a Resource Person in a 15 days online certificate course in "Organic Home Gardening on the topic "Ornamental Plants and Bonsai for Garden" organised by Swami Shri Swaroopanand Saraswati Mahavidyalaya, Hudco, Bhilai.

Dr. Pratiksha Pandey was again invited as a speaker in a National Seminar organised by Govt. Bhim Rao Ambedkar College, Dongargaon.

Dr. Deepti Chauhan A.P. Botany was also a Resource Person in the 15 days online certificate course in 'Organic Home Gardening' and spoke on the topic 'All about Adenium Plant and Moss Stick Preparation'. She was also invited as a Guest Speaker in the 2 day National Webinar organised by the Botany Deptt. of Atal Bihari Vajpayee Govt College Pandatarai.

The same webinar was also attended by Dr. Pratiksha Pandey in which she was invited as a guest speaker and she spoke on the topic 'Population Ecology, Concepts and Population Interaction and Introduction of plant water relation basic concept'.

Dr. Barna Mazumdar A.P. Chemistry was a Guest Speaker at Govt. College Bori and spoke on the topic 'Nanoparticles and General Aspects of Career Counselling. She also was a Guest Speakers at Govt. Kamla Devi Rathi Girls College, Rajnandgaon and extended hands on training on the topic SEM, TEM, XRD, EM, Spectroscopy and Calorimetry.

Dr. Mohna Sushant Pandit, HOD- Education Deptt. was a Guest Speaker in Dev Sanskrti Mahavidyalaya, Durg on the topic "Multimedia". She also spoke on "Sources of Data" in a lecture for Ph.D. Scholars.

New Age Learning in the New Normal

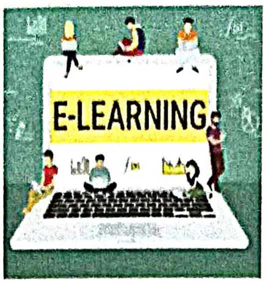

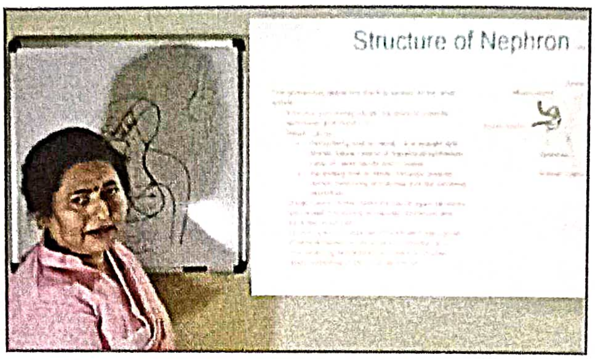

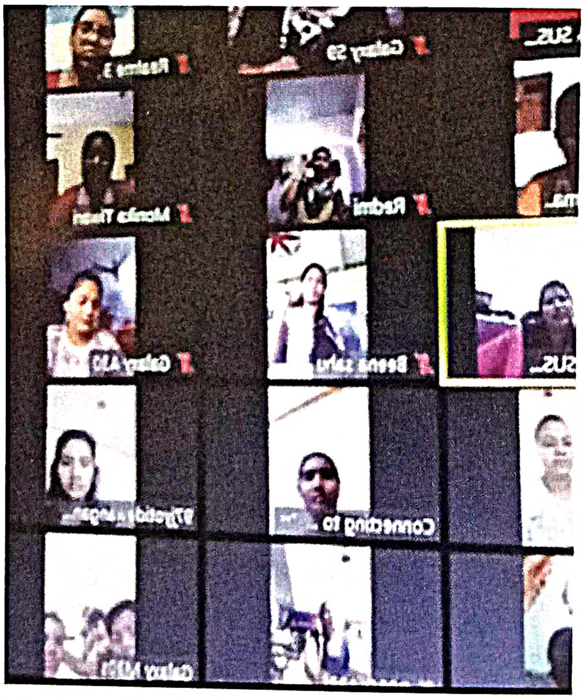

A Big Salute to all the teachers of B.M.M. who have shown their efficiency, commitment and dedication in guiding and teaching the students virtually during the on going COVID-19 crisis.

The Mask Mission,
by the students of the institution